

## भारतीय नौसेना दविस- 2023

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

हाल ही में भारत के **प्रधानमंत्री (PM)** ने **भारतीय नौसेना दविस- 2023** पर औपनिवेशिक सैन्य वरिसत को खत्म करने के लिये एक सरकारी नरिणय की घोषणा की, जसिमें बताया गया कि भारतीय नौसेना के भीतर पदनामों को भारतीय परंपराओं के अनुरूप करने के लिये नया रूप दिया जाएगा।

- प्रधानमंत्री ने **छत्रपति शिवाजी महाराज** को भी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा महाराष्ट्र के सधुदुरग के कलिमें 17वीं सदी के मराठा शासक की एक भव्य प्रतमा का अनावरण कया।

### नौसेना दविस पर क्या घोषणाएँ की गईं?

- **प्रतीकात्मक एपॉलेट्स तथा स्वदेशी समुद्री वरिसत:**
  - प्रधानमंत्री ने उल्लेख कया कि नौसेना अधिकारियों द्वारा पहने जाने वाले एपॉलेट्स ( कंधे पर रैंक को दर्शाने वाले अलंकरण प्रतीक/चहिन) पर अब शिवाजी महाराज की सेना का प्रतीक अंकति होगा।
  - उन्होंने ऐतहासिक आँकड़ों से मली प्रेरणा पर ज़ोर देते हुए नौसेना ध्वज को छत्रपति शिवाजी महाराज की वरिसत से जोड़ा।
  - शिवाजी महाराज की इस उदघोषणा को दोहराते हुए कि जिनका समुद्र पर नयित्रण है, वे ही अंतमि शक्ति रखते हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने एक शक्तिशाली नौसेना का मसौदा तैयार कया था।
  - औपनिवेशिक मानसकिता से छुटकारा पाने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप नौसेना द्वारा नया ध्वज वर्ष 2022 में अपनाया गया, जो छत्रपति शिवाजी की गौरवशाली वरिसत से प्रेरति है।



# INDIAN NAVY DAY

A tribute to Indian Navy for a successful  
// 'operation trident' in India-Pakistan war of 1971

## ■ नौसेना योद्धाओं और भारत के समुद्री इतिहास का सम्मान:

- प्रधानमंत्री ने कान्होजी आंगरे, मायाजी नाइक भटकर और हरिजी इंदुलकर जैसे योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी।
- भारतीय नौसेना ने लोनावाला में अपने प्रशिक्षण प्रतष्ठान का नाम **INS शिवाजी** रखा है और पश्चिमी नौसेना कमान, मुंबई के तट-आधारित रसद और प्रशासनिक केंद्र का नाम प्रसिद्ध मराठा नौसैनिक कमांडर कान्होजी आंगरे (1669-1729) के नाम पर **INS आंगरे** रखा है।

## शिवाजी के मराठा साम्राज्य की नौसेना वरिसतें क्या थीं?

- **सदियों के साथ संघर्ष से प्रेरित होकर और पुर्तगाली नौसैनिक ताकत को देखते हुए** शिवाजी ने एक मजबूत नौसेना और कुशल बंदरगाह प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वरिधियों से सुरक्षा के लिये रणनीतिक रूप से **वजियदुर्ग और सधुदुर्ग** जैसे तटीय किलों का निर्माण किया।
- शिवाजी के नेतृत्व में मराठा नौसेना और अधिक प्रभावशाली हुई एवं **कोलाबा, सधुदुर्ग, वजियदुर्ग तथा रत्नागरी में गढ़ स्थापित** किये गए। 500 उत्कृष्ट जहाजों से समृद्ध मराठा नौसेना ने चार दशकों से अधिक समय तक पुर्तगाली एवं ब्रिटिश दोनों की शक्ति को सफलतापूर्वक वफिल कर दिया। हालाँकि **वर्ष 1680 में शिवाजी की मृत्यु के बाद मराठा नौसेना कमजोर हो गई, जिससे इसकी शक्ति और प्रभाव में कमी आई।**

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रलिमिस:

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित "टर्मिनल हाई ऑल्टीट्यूड एरिया डफिंस (THAAD)" क्या है? (2018)

- (a) इजरायल की एक रडार प्रणाली
- (b) भारत का घरेलू मिसाइल-प्रतरीधी कार्यक्रम
- (c) अमेरिकी मिसाइल-प्रतरीधी प्रणाली
- (d) जापान और दक्षिण कोरिया के बीच एक रक्षा सहयोग

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत ने नमिनलखिति में से किससे बराक एंटी-मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी? (2008)

- (a) इजरायल
- (b) फ्रांस
- (c) रूस
- (d) संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर: (a)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-navy-day-2023>

